BSNLEU

B S N L Employees Union

M.P. Circle, BHOPAL

(Regd. No. 4896)
(The Only Recognised union in BSNL)
OFFICE:1195,Lal Kothi, Near Brij Sweets,Shahi Naka Road,Gulauatal,Garha,JABALPUR,(MP)
Phone:- 0761-2425789, Website:- www.bsnleump.org Mobile:- 94251 24499
Circle Secretary Email:srnayak68@yahoo.in Circle President
S.R.Nayak Saiyed Raasid Ali

क्रमांकः बीएसएनएलईयू एमपी/ दिनांक 23.07.2010

ऑफिस अपना, भवन अपना – पूरा करो सपना
खुशी–खुशी डोनेशन दीजिए

प्रिय साथियो,

यह समय का नाजुक दौर है। हमारे देश में भी पूंजीवाद ने अपनी शैशव अवस्था से किशोरावस्था में पहुंचने के लिए छलांग लगा दी है। यही कारण है कि, देश की केन्द्र सरकार ने निवेश कर्ताओं को पूरी सुरक्षा प्रदान करने का वादा किया हुआ है। जाहिर है कि, सुरक्षा रूपी इस चादर से यदि श्रमिकों सहित आम जनता अपने आप को ढकना चाहेगी तो, निवेशकर्ता उंघर जावेंगे और यदि निवेशकर्ता ओढ़ेगे तो श्रमिक और आम जनता उंधर जावेगी। अब यह बात किसी से छुपी नहीं है कि, केन्द्र सरकार ने नीतिगत घोषणा कर दी है कि, श्रमिक और आम जनता उंघरे तो हमारी बला से, सुरक्षा रूपी चादर तो निवेशकर्ता (मुख्य धन कुबेर) ही ओढ़ेंगे। अतः यह आंखों में स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि, यदि राजनीति पल्टा नहीं खाती है तो, श्रम कानूनों को और भी तेजी से रोंदा जावेगा तथा ट्रेड यूनियनों पर पूरी ताकत से हमला बोला जावेगा। ऐसी स्थिति में हमको और आपको यह भूल जाना पड़ेगा कि सरकार या मालिक या प्रबन्धन, मजदूर–कर्मचारियों की पसंद की यूनियन को मान्यता देंगे तथा कार्यालय आदि देकर सुविधा प्रदान करेंगे। इसलिए कल के विषय में सोचकर हमें अभी से सचेत रहना चाहिये। कम से कम, अपना केन्द्रीय यूनियन ऑफिस अपने भवन में तो होना ही चाहिये।

पूरा करो सपना

इस समय दिल्ली में अपना भवन क्रय करना वाकई एक सपने जैसा है क्योंकि जमीन–जायदात की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं। किन्तु हम इस सपने को पूरा कर सकते हैं क्योंकि हम इसके लिए सक्षम हो गए हैं। और यह भी सही है कि, हमने बहुत ही विपरीत परिस्थितियों में यह सक्षमता हासिल की है। नया वेतन समझौता तथा चार पदोन्नतियां हमें तस्तरी में रखकर नहीं मिली हैं। हर चीज हमने लड़कर जीती है और अपनी भरोसेमंद यूनियन की दम पर जीती है। आज हर आदमी इस बात को समझ रहा है कि, हमने जो कुछ भी पाया है वह यूनियन की दम पर ही पाया है। सिर्फ इतना ही नहीं, लोग यह भी समझ रहे हैं कि यदि आज, बी एस एन एल बचा हुआ है तो बी एस एन एल ई यू के कारण ही बचा हुआ है। आम कर्मचारियों की समझ में यह बात भी आ रही है कि, आज हमें जो भी मिला है तथा यदि उसकी रक्षा करना है तो बी एस एन एल ई यू को सशक्त बनाकर ही हम ऐसा कर सकते हैं। इसके लिए यह बहुत जरूरी हो गया है कि बी एस एन एल ई यू के पास किसी भी, ऐसी या वैसी परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए उसका केन्द्रीय कार्यालय अपने खुद के भवन में हो। बी एस एन एल ई यू के हाथ–पैर अर्थात् परिमंडल, जिला तथा शाखा इकाईयां भी सक्षम और सशक्त होना चाहिये।